

मुख्या ३/१/८२-स्था०४पी-१४

भारत सरकार

कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार
और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक ३। अक्टूबर, १९८५

कायांलिय जापन

विषय:- अपारात्कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारी तथा जल्दकालीन सेवा
कमीशन प्राप्त अधिकारी-अनारहित रिक्तियों में सिविल पदों
पर नियुक्त होने की अपर्याप्ति में धूतन का निर्धारण।

मुझे उपर्युक्त विषय पर इस विभाग में दिनांक २९-११-८४ के द्वारा
संख्या के कायांलिय जापन का व्याला देते हुए यह लहो का निर्देश हुआ है
कि अब यह नियंत्रे ते लिया गया है कि राष्ट्र कायांलिय जापन में दिए गए
आदेशों को उन अपारात्कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा जल्दकालीन
सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के बीच नियर्धारण के मामले में भी लागू
किया जाए जिनकी दिनांक सिविल पदों पर १-११-८४ से पूर्व नियुक्ति
हो गई थी। नियुक्तियों की तारीख से उनका वैतन कालिक आधार
पर नियर्धारत कर दिया जाए ताकि उन्हें बकाया कैलंग पहली नवम्बर, १९८४
से ही मंजूर किया जाए।

2- जहाँ तक भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा छिभाग में काम करने
वाले व्यक्तियों का राबड़ है, ये आदेश भारत के नियंत्रक तथा महालेखा
परीक्षक के परामर्श से जारी किए गए हैं।

उम्मेदवाला

प्रियो हरिहरन,
अधर सचिव, भारत सरकार

सेवा में

मानक सूची के अनुसार।